



# बिहार गजट

## असाधारण अंक

### बिहार सरकार द्वारा प्रकाशित

21 भाद्र 1934 (श0)  
(सं0 पटना 481) पटना, बुधवार, 12 सितम्बर 2012

जल संसाधन विभाग

अधिसूचना

23 अगस्त 2012

सं0 22/नि0सि0( दर0)-16-08/2010/934—श्री रामजी राम, तत्कालीन कार्यपालक अभियन्ता, पश्चिमी कोशी नहर प्रमण्डल, दरभंगा द्वारा बरती गई वित्तीय अनियमितता बिना पूर्वानुमति के मुख्यालय से अनुपस्थित रहना, उनकी लापरवाही एवं उदासीनता के कारण सी0 डी0 संरचना का क्षतिग्रस्त होना इत्यादि प्रथम द्रष्ट्या प्रमाणित आरोपों के लिए सरकार द्वारा विभागीय अधिसूचना सं0-1029 दिनांक 16.8.11 द्वारा निलंबित करते हुए विभागीय संकल्प ज्ञापांक 1100 दिनांक 29.8.11 द्वारा बिहार सरकारी सेवक (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियमावली 2005 के नियम 17(2) के तहत विभागीय कार्यवाही प्रारम्भ की गयी। विभागीय कार्यवाही में श्री राम, कार्यपालक अभियन्ता के विरुद्ध निम्न आरोप गठित किए गये:-

(1) काकराघाटी शाखा नहर के वि0दू0 68.20 निर्मित सी0डी0 के अप0 स्ट्रीम का दौया बैंक दिनांक 07.07.10 को क्षतिग्रस्त हुआ। अधीक्षण अभियन्ता के द्वारा दिनांक 08.07.10 को उक्त स्थल के निरीक्षण के दौरान पाया गया कि उक्त स्थल पर सात दिनों से रिसाव हो रहा था जिसकी मरम्मती स-समय नहीं किये जाने के कारण उक्त वि0 दू0 पर 30 फीट में नहर क्षतिग्रस्त हो गया। मुख्य अभियन्ता, दरभंगा के पत्रांक 2056 दिनांक 09.07.07 के द्वारा स्थल पर कैम्प कर युद्ध स्तर पर टूटान की मरम्मति कराते हुए संरचना को सुरक्षित रखने का निदेश दिया गया परन्तु आपके द्वारा लापरवाही बरती गयी जिसके फलस्वरूप सी0 डी0 संरचना का डाउन स्ट्रीम का दायाँ विंग वाल एवं रिटर्न वाल पूर्णतः क्षतिग्रस्त हो गया जो आपकी कर्तव्य के प्रति लापरवाही उदासीनता एवं निदेश की अवहेलना का घोटक है। जिसके लिए आप प्रथम द्रष्ट्या दोषी पाये गये हैं।

(2) नीलामी सूचना सं0-01/2009-10 के अन्तर्गत क्रमांक 1 से 4 तक की गयी नीलामी में नियमावली से हटकर नीलामी की गयी जो हेराफेरी कर राजस्व गबन करने का मामला है। इस संबंध में मुख्य अभियन्ता, दरभंगा के द्वारा आपसे दिनांक 21.4.10 को स्पष्टीकरण पूछा गया परन्तु आपके द्वारा उक्त पत्र में वर्णित बिन्दुओं पर कोई भी स्पष्टीकरण नहीं समर्पित किया गया जिससे उक्त पत्र में लगाये गये आरोपों में आपकी संलिप्ता प्रमाणित होती है, जिसके लिए आप दोषी हैं।

(3) शीर्ष 4700 अन्तर्गत आकस्मिक मद में बिना उच्चाधिकारी के निदेश के रू0 तीन लाख के प्राक्कलन की स्वीकृति आपके द्वारा प्रदान कर राशि की निकासी की गयी एवं इस राशि का भुगतान बिना सक्षम स्तर से स्वीकृत करायें ही मजदूरों को भुगतान किया गया एवं राशि का समायोजन भी कर लिया गया। इस प्रकार बिना उच्चाधिकारी के निदेश के स्वयं प्राक्कलन की स्वीकृति देना, राशि की निकासी करना, बिना सक्षम पदाधिकारी के श्रमशक्ति स्वीकृत

कराये भुगतान करना एवं किये गये भुगतान का समायोजन करना वित्तीय अनियमितता है जिसके लिए आप प्रथम द्रष्टया दोषी है।

(4) बिना उच्चाधिकारियों की अनुमति एवं स्वीकृति के मुख्यालय से अनुपस्थित रहना एवं उनके द्वारा दिये निदेशों की अवहेलना करना।

(11) विभागीय कार्यवाही में जॉच पदाधिकारी द्वारा जॉच प्रतिवेदन समर्पित किया गया जिसमें जॉच पदाधिकारी द्वारा आरोप प्रमाणित पाये गये। तदुपरान्त प्राप्त जॉच प्रतिवेदन की समीक्षा सरकार के स्तर पर की गयी। सम्यक समीक्षोपरान्त श्री राम के विरुद्ध सभी आरोप प्रमाणित पाये जाने के आलोक में इन्हें निलबन से मुक्त करते हुए निम्न दण्ड संसूचित करने का निर्णय सरकार द्वारा लिया गया है:-

(1) निन्दन वर्ष 2010-11

(2) तीन वेतन वृद्धि पर असंचयात्मक प्रभाव से रोक।

(3) निलबन अवधि में जीवन निर्वाह भत्ता के अतिरिक्त कुछ भी देय नहीं होगा, परन्तु इस अवधि की गणना पेंशन की गणना के प्रयोजनार्थ की जाएगी।

उक्त दण्ड श्री रामजी राम, तत्कालीन कार्यपालक अभियन्ता, पश्चिमी कोशी नहर प्रमण्डल, दरभंगा को संसूचित किया जाता है।

बिहार-राज्यपाल के आदेश से,  
भरत झा,  
सरकार के उप-सचिव।

अधीक्षक, सचिवालय मुद्रणालय,  
बिहार, पटना द्वारा प्रकाशित एवं मुद्रित।  
बिहार गजट (असाधारण) 481-571+10-डी0टी0पी0।  
Website: <http://egazette.bih.nic.in>